स.इडीन.एच-(27)/एनएसएस/Action Plan
उच्चतर शिक्षा निदेशालय
हिमाचल प्रदेश.

दिनांक: शिमला- 171001,   15 जुलाई, 2021

समस्त उप निदेशक (उच्चतर शिक्षा)
हिमाचल प्रदेश।

विषय :-   सत्र 2021-22 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत की जाने वाली गतिविधियों के बारे में।

नये सत्र की शुरूआत हो चुकी है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य सामुदायिक सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास करना है। निःस्वार्थ सेवाभाव इस का मूलमन्त्र है। कोविड-काल में शारीरिक दूरी का पालन करना, बार-बार साबुन से हाथ धोना, मुँह नाक के लिए मास्क का प्रयोग करना और सरकार व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करना समय की जरूरत है। आवश्यकतानुसार जरूरतमंदों की सहायता करना, वैक्सीन लगाने के लिए लोगों को जागरूक करना और वैक्सीन केन्द्रों में स्वास्थ्यकर्मियों की सहायता करना सभी स्वंयसेवियों का परम कर्तव्य है। इस के अतिरिक्त हमारे आसपास कई समस्याएं हमारी लापरवाही, आलस्य और स्वार्थ के कारण पैदा होती हैं। यह प्रायः देखा गया है कि लोग घरों का कूड़ा, प्लास्टिक, गृह निर्माण के दौरान निकलने वाली मिट्टी को नदी, नालों, कूहलों और सड़कों की नालियों में या ढलानों में फैंक देते हैं। जिस से गन्दगी और बिमारियाँ पनपती हैं,पानी सड़कों में बहता है और नालों, नदियों में फैंकी गई मिट्टी बांधों तक पहुंच जाती है। फलस्वरूप बांधों का जीवनकाल कम हो जाता है, हम जाने अनजाने देश के विकास में बाधा बनते हैं जलीय जीवन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। प्लास्टिक को इकट्ठा न कर के जगलों की ढलानों में फैंक दिया जाता है। गृह निर्माण की अवशिष्ट सामग्री को भी सड़कों के किनारे जगलों में फैंका जा रहा है। मृत पालतु जानवरों को सड़क किनारे बिना दबाये या मांस के लिए प्रयोग में होने वाले जानवरों और पक्षियों के अवशिष्ट शरीर के हिस्सों को भी सड़क किनारे फैंक देते हैं। परिणामस्वरूप पर्यटक राज्य हिमाचल प्रदेश की सुन्दरता को ग्रहण लग रहा है और पर्यटक स्थलों के प्रवेश द्वारों पर बदबू का भी सामना करना पड़ता है। अतः राष्ट्रीय सेवा योजना इस वर्ष एक बड़ा जनजागरण अभियान प्रारम्भ करेगी। जो निम्नलिखित बिन्दुओं पर केन्द्रित रहेगा:-

1. फल सब्जियों के छिलकों को अलग से साफ पात्र में इकट्ठा कर के पशुओं को खिला सकते हैं।
2. घरों के गलने-सड़ने वाले कूड़े से केंचुआ खाद तैयार करने को प्रोत्साहित किया जाएगा।
3. प्लास्टिक कचरे को जहां तक सम्भव हो साफ-सुथरे रूप में इकट्ठा करके शहरी निकायों या ग्राम पंचायत के कोलेक्शन केन्द्रों में जमा करवा सकते हैं ताकि इस को अन्यत्र भेज कर ऊर्जा उत्पादन व अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सके।
4. घरों के निर्माण के दौरान निकलने वाली उपजाऊ मिट्टी का खेतों और क्यारियां बनाने के लिए सदुपयोग किया जा सकता है। अन्य प्रकार की मिट्टी का प्रयोग खेल मैदान बनाने

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA
2021/7/19 15:48

...udents of Corona covid-19 of Una Distt

में भी हो सकता है। स्थानीय प्रशासन, पंचायतों, शहरी निकायों के माध्यम से मिट्टी तक का भी प्रबन्ध किया जा सकता है। सभी बन्द पड़ी कुहलों को किसानों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आम जनता और सिंचाई विभाग के माध्यम से कचरा मुक्त करके बहाल किया जाएगा।

5. मृत जानवरों को जल स्त्रोतों से दूर मिट्टी मे पर्याप्त गहराई तक दबाने के लिए जागरूक किया जाएगा।

6. गृह निर्माण की अवशिष्ट सामग्री जैसे पत्ते, धातु के टुकड़े, प्लास्टिक के डिब्बे आदि कबाड़ियों को दे कर पुनः चक्रित कर सकते है। ईटों के टुकड़ों का उपयोग खाई व पानी के प्रबन्धन के लिए बनाए जाने वाले गड्ढे के लिए कर सकते है। अन्य अवशिष्ट सामग्री को भी ठीक ढंग से पृथक रख कर रास्तों के निर्माण या खेल मैदान के निर्माण में प्रयोग कर सकते है। इस धरा पर कोई भी चीज व्यर्थ नहीं है। जरूरत केवल कुशल प्रबन्धन की है।

इसके अतिरिक्त कोविड–काल में पैदल चलने को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। जिससे लोगों का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा, सार्वजनिक परिवहन पर भी भीड़ कम हो सकेगी और शारीरिक दूरी का पालन भी सम्भव होगा। नगरों में ट्रैफिक जाम की समस्या का भी समाधान होगा ईंधन की बचत होगी और पृथ्वी के बढ़ते तापमान को कम करने में भी हमारा योगदान होगा। अतः एक से दो किलोमीटर की दूरी तक वाहनों का अतिआवश्यक होने पर ही उपयोग करें।

वर्षा जलसंचय को बढ़ावा देना इस संदर्भ मे स्वयंसेवी, खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से गावों में (कैम्प) शिविर का आयोजन कर सकते है जिसमें ज्यादा से ज्यादा किसानों और आम जनता को वर्षा जलसंचय के लिए प्रेरित किया जा सके। विद्यार्थी अपने घर में वर्षा का जल बाल्टियों, ड्रम आदि मे इकट्ठा कर इसे पौधों की सिंचाई या फर्श आदि धोने के लिए प्रयोग कर इस दिशा में सार्थक भूमिका निभा सकते हैं।

7. हर क्षेत्र विशेष की अपनी अपनी समस्याएं हो सकती है और उन समस्याओं का समाधान भी अलग–अलग तरीके से हो सकता है। अतः उपरोक्त केन्द्र बिन्दुओ के अलावा भी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवक वर्ष भर निःस्वार्थ सेवा भाव से जनकल्याण के कार्यों में समर्पित रहेंगे।

16 JUL 2021

(डा० हरीश कुमार)
संयुक्त निदेशक उच्चतर शिक्षा
हिमाचल प्रदेश

प्रतिलिपि:-

1. सभी जिला–समन्वयक (एनएसएस) को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
2. तकनीकी अधिकारी, उच्च शिक्षा निदेशालय, पत्र को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु।
3. समस्त प्रधानाचार्य, राष्ट्रीय स्वयं सेवा इकाई को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

संयुक्त निदेशक उच्चतर शिक्षा
हिमाचल प्रदेश

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA
2021/7/19 15:48

पृष्ठांकन संख्याः ईडीएन–यू (जी–II) विविध/2021/– 361 – 27 जुलाई, 2021

प्रतिलिपिः–

1 समस्त प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक रा0व0मा0पा0/उच्च पाठशालाएं जिला ऊना को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

शिक्षा उप–निदेशक उच्चतर
ऊना जिला ऊना (हि0प्र0)

2021/7/19 15:48
REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA